**БЪЛГАРСКА АКАДЕМИЯ НА НАУКИТЕ**

**НАУЧЕН АРХИВ**

**Фонд № 31k**

**НИКОЛАЙ КЪРДЖИЕВ**

**ИНВЕНТАРЕН ОПИС № 1**

на документи и материали, подлежащи на запазване

| **№ на а.е.** | **Заглавие на архивната единица** | **Крайни дати** | **Брой листа** | **Забележка** |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 2 | **3** | **4** | **5** |
|  | I. БИОГРАФИЧНИ МАТЕРИАЛИ |  |  |  |
| 1 | Автобиография на Н. А. Кърджиев написана от Дружеството на българските агрономи в отговор на тяхно искане.  Маш. | 5апр.1937, София | 7 |  |
| 2 | Биография на Н .А. Кърджиев, написана от управителния съвет на Българското агрономическо дружество във връзка с честване на 40г. кооперативно движение в България, основано от Кърджиев.  Маш., рък.  Заб. С ръкописни поправки от Кърджиев. | /1937/, София | 12 |  |
| 3 | „Четиридесет години българска кооперация, 1897-1937“ и „ Н. А. Кърджиев един от първите апостоли на българската кооперация“. Статия за Кърджиев във в. „Банков съюз“, бр.594 и 595. | Май 1937, София | 6 |  |
| 4 | „Агрономът Н. А. Кърджиев“, статия във в. „Агроном“. Биография с ръкописни поправки от Кърджиев.  Печ., рък. | 25 дек. 1937, София | 12 |  |
|  | II.СЛУЖЕБНА И ОБЩЕСТВЕНА ДЕЙНОСТ |  |  |  |
| 5 | Годишен отчет от Н. Кърджиев, главен агроном на Русенски окръг, за състоянието на земеделието в окръга през 1897/1898 г. изнесен на сесия на окръжния съвет.  Печ. | 1898, Русе | 47 |  |
| 6 | Доклад от Н. А. Кърджиев до Русенския окръжен съвет за състоянието на земеделието в Русенски окръг през 1888/1889г.  Маш., рък. | 1889, Русе | 47 |  |
| 7 | План за краварник и свинарник на Централното управление на земеделските каси, присъединено към държавния конезавод „Кабиюк“, изработен от Кърджиев и озаглавен „Селско стопанска организационна основа“.  Рък. | 1902, Кабиюк, Шуменско | 14 |  |
| 8 | Доклад на Кърджиев председател на комитета по покупка на разплодни животни и изучаване устройството на унгарските конезаводни учреждения до министъра на търговията и земеделието за резултатите от работата на комисията.  Маш. | 21апр.1903, Кабиюк, Шуменско | 7 |  |
| 9 | Доклад от Н. Кърджиев директор на конезавод „Кабиюк“ до министъра на търговията и земеделието за проекто -бюджета на конезавода за 1909 г. | 1908, Кабиюк-Шуменско | 17 |  |
| 10 | Програма за конкретно разрешение на належащите за изпълнение задачи от Главна дирекция на трудовите земеделски стопанства. С ръкописни бележки и добавки от Главния директор – Кърджиев.  Маш., рък. | 1926, София | 255 |  |
| 11 | Заем, отпуснат от Обществото на народите на България за настаняване на българските бежанци и преписка между Службата за обществени осигуровки при обществото на народите, Българската легация в Берн и Главна дирекция за т. з. с. по сключване на заема.  Маш., рък.  Има документи на фр. ез. | дек.1925-юни 1926, София, Женева, Берн | 95 |  |
| 12 | „Истината около Дирекцията на трудово земеделските стопанства“. Опровержение от Гл. Директор Кърджиев, срещу нападките отправени към работата на Дирекцията.  Маш. | /1926/, София | 7 |  |
| 13 | Таблица на Главна дирекция на т. з. с. за разпределението на Държавните, общинските и частните земи в България. | 1927, София | 1 |  |
| 14 | Рекапитолационен бюлетин на Главна дирекция за т. з с. за извършената работа от групите по озеленяване на бежанците до 1 ноем. 1927 г.  Печ., рък. | 1927, София | 1 |  |
| 15 | Отчет за дейността на Главната дирекция на трудовите земеделски стопанства, изнесен от главния директор Н. А. Кърджиев.  Печ. | 1928, София | 44 |  |
| 16 | Преписка между Главна дирекция на т. з. с. и Главна дирекция за настаняване на бежанците относно неуредици при снабдяването на бежанците със земя.  Маш. | 2 март1929-19 март 1929 | 2 |  |
| 17 | Извлечение от отчета на Главната дирекция за т. з. с. и Ликвидационното бюро за приложение на закона за трудово земеделските стопанства.  Маш. | /1929/, София | 4 |  |
| 18 | План на Главна дирекция за т. з. с. за разпределение на фонда на стопанствата в Пловдивски, Шуменски, Хасковски, Варненски, Видински и др. окръзи към 1 апр. 1929 – 1 апр. 1930 г.  Рък. | 1930, София | 1 |  |
| 19 | Сведения на Дирекцията за т. з. с. за извършените оземлявания през 1927-1930г. изготвени за министър-председателя на правителството.  Маш. | 7март 1930, София | 1 |  |
| 20 | Изложение за работата на Ликвидационното бюро за трудово земеделските стопанства през 1927, 1928, 1929 г.  Маш. | /1930/, София | 7 |  |
| 21 | Доклад от Кърджиев до Научния секретар на БАН със списък на трудовете си, които предава на библиотеката на БАН.  Маш. | 22март 1949 | 6 |  |
| 22 | Н. Кърджиев и колектив „Нашата задача“. Обществено-политическа брошура за задачите и положението на учителите.  Печ. | 1889, Русе | 24 |  |
| 23 | Изложение от Н. Кърджиев до ръководството на Дружеството на българските агрономи за необходимостта от реорганизация на дружеството.  Маш. | 26ноем.1923, София | 6 |  |
|  | III. ТВОРЧЕСКА ДЕЙНОСТ |  |  |  |
| 24 | Н. Кърджиев „Земеделска икономия“. Лекции четени в Земеделското училище в Кабиюк през 1944 – 1946 г.  Рък. | 1906, Кабиюк, Шуменско | 51 |  |
| 25 | Н. Кърджиев „Стопанска икономия“. Курс лекции четени във Висшия софийски земеделски курс през учебната 1922-23 и 1923-24 г.  Маш. | 1924, София | 123 |  |
| 26 | Н. Кърджиев „Пролетната работа на селското стопанство“. Студия.  Маш., рък. | /1926/, София | 37 |  |
| 27 | Н. Кърджиев. „Земеделско-стопански комбинации“. Студия.  Маш. | 1932, София | 7 |  |
| 28 | Н. Кърджиев „Земеделието в неговата цялост. Наука-икономика-индустрия“. Студия.  Рък.  Заб. Към студията са приложени молба от Кърджиев и отказ на БАН да отпечата студията му. | 1935, София | 94 |  |
| 29 | Н. Кърджиев „Трудово кооперативното обработване и използване на орната земя“. Стопанско-икономическа студия печ във в. „Кооперативно знаме“, г. 7, бр. 2-5, г. 8, бр.6-7, 9-10, 11-12, 14-15, 16-20 с ръкописни добавки от автора.  Печ, рък. | 1939-1940, София | 116 |  |
| 30 | Н. Кърджиев „По въпроса за земеделското образование в България“. Реферат, четен на годишно събрание на Българското земеделско дружество.  Печ. | 1910, София | 10 |  |
| 31 | Н. Кърджиев. Реферат, изнесен на четвъртото заседание на Комисията по изменение на закона за трудовата поземлена собственост.  Маш., рък. | 8февр.1924, София | 24 |  |
| 32 | Н. Кърджиев. Реферат изнесен на 12 конгрес на Общия съюз на Българските земеделски кооперации.  Маш., рък. | 17авг.1925, София | 10 |  |
| 33 | Реч на Н. Кърджиев изнесена на Първия конгрес на българските кооперации.  Маш. | 30май1926, София | 2 |  |
| 34 | Реферат изнесен от Н. Кърджиев на 13 конгрес на Общия съюз на Българските земеделски кооперации.  Печ.,рък. | 11окт.1926, София | 6 |  |
| 35 | Н. Кърджиев „Земеделските култури – израз на целокупната професионална земеделска организация“. Реферат.  Маш., рък. | 14май 1934, София | 17 |  |
| 36 | Н. Кърджиев „Дейността на агрономите в областта на народното земеделско стопанство. /1883-1923/“. Исторически очерк.  Маш. | 1930, София | 18 |  |
| 37 | Н. Кърджиев „Опитното дело на земеделието“. Исторически очерк.  Маш. | 1932, София | 20 |  |
| 38 | Сборник от списание „Ново земеделие“, год.1. Със статии, бележки, поправки от редактора Н. Кърджиев.  Печ., рък. | 1894-1895, Русе | 197 |  |
| 39 | Сборник от списание „Ново земеделие“, год.2. Със статии, бележки, поправки и допълнения от редактора Н. Кърджиев.  Печ., рък. | 1897—1898, Русе | 138 |  |
| 40 | Н. Кърджиев. Хромолитография на табло „Премия“ на сп. „Ново земеделие“ с текст за филоксерата и с обяснения на фигурите на таблото. Размери: 51Х40 см.  Печ. | 1897, Русе | 1 |  |
| 41 | Н. Кърджиев „Цената на земеделските произведения и живота, стопанската криза и мерки за премахването и“. Статия в сп. „Звено“, кн.10 и 11.  Печ. | 1919, София | 20 |  |
| 42 | Н. Кърджиев „Скъпотията и трудовата повинност“. Статия в сп. “Сила“, бр.16, г. 2.  Печ. | 24ян.1920, София | 3 |  |
| 43 | Н. Кърджиев „Трудовата повинност“. Брошура с обяснения към Закона за трудовата повинност, наложен от правителството на БЗНС.  Печ. | 1920, София | 10 |  |
| 44 | Н. Кърджиев „Народностопанското значение на земеделските оръдия и машини“. Статия в сп. „Кооперативен подем“  Печ. | Ноем.1937, София | 18 |  |
| 45 | Вестници „Напред“, с поместени пътни бележки на редактора Н. Кърджиев „Из нашата хубава България“.  Печ. | 1988, Пловдив | 29 |  |
| 46 | Н. Кърджиев „Пътни бележки“. Първи дневник за Дели-Орман и Тракия.  Рък. | 1889-1890 | 96 |  |
| 47 | Н. Кърджиев „Пътни бележки“. Втори дневник за Русенски окръг.  Рък. | 1890, Русе | 38 |  |
| 48 | Н. Кърджиев. Превод на студията на П. Вюнст „Земеделското образование и неговите методи“.  Рък. | 1911, София | 159 |  |
| 49 | В. „Стопанска България“ с бележки на Кърджиев върху статията „Изход от стопанската криза“.  Печ., рък. | 1934, София | 4 |  |
| 50 | Д-р А. Ю. Тотев „Взаимообразност между земеделие и индустрия в рамките на едно прогресивно развиващо се народно стопанство“. Статия в сп. „Простор“ с бележки от Н. Кърджиев.  Печ. | Ноем. 1943, София | 10 |  |
|  | IV. КОРЕСПОНДЕНЦИЯ |  |  |  |
| 51 | Писма до Н. Кърджиев от брат му Ненчо за служебната кариера на Кърджиев, за тежкото си материално положение, за затвора в Черната джамия където се намира, за близките им и др.  Рък.  Заб. Споменава П. Каравелов, Ст. Стамболов, майор Паница. | 12 авг1889-3окт.1990, Пловдив, София | 10 |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 216 |  |  |  |  |
| 217 |  |  |  |  |
| 218 |  |  |  |  |
| 219 |  |  |  |  |
| 220 |  |  |  |  |
| 221 |  |  |  |  |
| 222 |  |  |  |  |
| 223 |  |  |  |  |
| 224 |  |  |  |  |
| 225 |  |  |  |  |
| 226 |  |  |  |  |
| 227 |  |  |  |  |
| 228 |  |  |  |  |
| 229 |  |  |  |  |
| 230 |  |  |  |  |
| 231 |  |  |  |  |
| 232 |  |  |  |  |
| 233 |  |  |  |  |
| 234 |  |  |  |  |
| 235 |  |  |  |  |
| 236 |  |  |  |  |
| 237 |  |  |  |  |
| 238 |  |  |  |  |
| 239 |  |  |  |  |
| 240 |  |  |  |  |
| 241 |  |  |  |  |
| 242 |  |  |  |  |
| 243 |  |  |  |  |
| 244 |  |  |  |  |
| 245 |  |  |  |  |
| 246 |  |  |  |  |
| 247 |  |  |  | Не се чете |
| 248 |  |  |  |  |
| 249 |  |  |  |  |
| 250 |  |  |  |  |
| 251 |  |  |  |  |
| 252 |  |  |  |  |
| 253 |  |  |  |  |
| 254 |  |  |  |  |
| 255 |  |  |  |  |
| 256 |  |  |  |  |
| 257 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 258 |  |  |  |  |
| 259 |  |  |  |  |
| 260 |  |  |  |  |
| 261 |  |  |  |  |
| 262 |  |  |  |  |
| 263 |  |  |  |  |
| 264 |  |  |  |  |
| 265 |  |  |  |  |
| 266 |  |  |  |  |
| 267 |  |  |  |  |
| 268 |  |  |  |  |
| 269 |  |  |  |  |
| 270 |  |  |  |  |
| 271 |  |  |  |  |
| 272 |  |  |  |  |
| 273 |  |  |  |  |
| 274 |  |  |  |  |
| 275 |  |  |  |  |
| 276 |  |  |  |  |
| 277 |  |  |  |  |
| 278 |  |  |  |  |
| 279 |  |  |  |  |
| 280 |  |  |  |  |
| 281 |  |  |  |  |
| 282 |  |  |  |  |
| 283 |  |  |  |  |
| 284 |  |  |  |  |
| 285 |  |  |  |  |
| 286 |  |  |  |  |
| 287 |  |  |  |  |
| 288 |  |  |  |  |
| 289 |  |  |  |  |
| 290 |  |  |  |  |
| 291 |  |  |  |  |
| 292 |  |  |  |  |
| 293 |  |  |  |  |
| 294 |  |  |  |  |
| 295 |  |  |  |  |
| 296 |  |  |  |  |
| 297 |  |  |  |  |
| 298 |  |  |  |  |
| 299 |  |  |  |  |
| 300 |  |  |  |  |
| 301 |  |  |  |  |
| 302 |  |  |  |  |
| 303 |  |  |  |  |
| 304 |  |  |  |  |
| 305 |  |  |  |  |
| 306 |  |  |  |  |
| 307 |  |  |  |  |
| 308 |  |  |  |  |
| 309 |  |  |  |  |
| 310 |  |  |  |  |
| 311 |  |  |  |  |
| 312 |  |  |  |  |
| 313 |  |  |  |  |
| 314 |  |  |  |  |
| 315 |  |  |  |  |
| 316 |  |  |  |  |
| 317 |  |  |  |  |
| 318 |  |  |  |  |
| 319 |  |  |  |  |
| 320 |  |  |  |  |
| 321 |  |  |  |  |
| 322 |  |  |  |  |
| 323 |  |  |  |  |
| 324 |  |  |  |  |
| 325 |  |  |  |  |
| 326 |  |  |  |  |
| 327 |  |  |  |  |
| 328 |  |  |  |  |
| 329 |  |  |  |  |
| 330 |  |  |  |  |
| 331 |  |  |  |  |
| 332 |  |  |  |  |
| 333 |  |  |  |  |
| 334 |  |  |  |  |
| 335 |  |  |  |  |
| 336 |  |  |  |  |
| 337 |  |  |  |  |
| 338 |  |  |  |  |
| 339 |  |  |  |  |
| 340 |  |  |  |  |
| 341 |  |  |  |  |
| 342 |  |  |  |  |
| 343 |  |  |  |  |
| 344 |  |  |  |  |
| 345 |  |  |  |  |
| 346 |  |  |  |  |
| 347 |  |  |  |  |
| 348 |  |  |  |  |
| 349 |  |  |  |  |
| 350 |  |  |  |  |
| 351 |  |  |  |  |
| 352 |  |  |  |  |
| 353 |  |  |  |  |
| 354 |  |  |  |  |
| 355 |  |  |  |  |
| 356 |  |  |  |  |
| 357 |  |  |  |  |
| 358 |  |  |  |  |
| 359 |  |  |  |  |
| 360 |  |  |  |  |
| 361 |  |  |  |  |
| 362 |  |  |  |  |
| 363 |  |  |  |  |
| 364 |  |  |  |  |
| 365 |  |  |  |  |
| 366 |  |  |  |  |
| 367 |  |  |  |  |
| 368 |  |  |  |  |
| 369 |  |  |  |  |
| 370 |  |  |  |  |
| 371 |  |  |  |  |
| 372 |  |  |  |  |
| 373 |  |  |  |  |
| 374 |  |  |  |  |
| 375 |  |  |  |  |
| 376 |  |  |  |  |
| 377 |  |  |  |  |
| 378 |  |  |  |  |
| 379 |  |  |  |  |
| 380 |  |  |  |  |
| 381 |  |  |  |  |
| 382 |  |  |  |  |
| 383 |  |  |  |  |
| 384 |  |  |  |  |
| 385 |  |  |  |  |
| 386 |  |  |  |  |
| 387 |  |  |  |  |
| 388 |  |  |  |  |
| 389 |  |  |  |  |
| 390 |  |  |  |  |
| 391 |  |  |  |  |
| 392 |  |  |  |  |
| 393 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 394 |  |  |  |  |
| 395 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 396 |  |  |  |  |
| 397 |  |  |  |  |
| 398 |  |  |  |  |
| 399 |  |  |  |  |
| 400 |  |  |  |  |
| 401 |  |  |  |  |
| 402 |  |  |  |  |
| 403 |  |  |  |  |
| 404 |  |  |  |  |
| 405 |  |  |  |  |
| 406 |  |  |  |  |
| 407 |  |  |  |  |
| 408 |  |  |  |  |
| 409 |  |  |  |  |
| 411 |  |  |  |  |
| 412 |  |  |  |  |
| 413 |  |  |  |  |
| 414 |  |  |  |  |
| 415 |  |  |  |  |
| 416 |  |  |  |  |
| 417 |  |  |  |  |
| 418 |  |  |  |  |
| 419 |  |  |  |  |
| 420 |  |  |  |  |
| 421 |  |  |  |  |
| 422 |  |  |  |  |
| 423 |  |  |  |  |
| 424 |  |  |  |  |
| 425 |  |  |  |  |
| 426 |  |  |  |  |
| 427 |  |  |  |  |
| 428 |  |  |  |  |
| 429 |  |  |  |  |
| 430 |  |  |  |  |
| 431 |  |  |  |  |
| 432 |  |  |  |  |
| 433 |  |  |  |  |
| 434 |  |  |  |  |
| 435 |  |  |  |  |
| 436 |  |  |  |  |
| 437 |  |  |  |  |
| 438 |  |  |  |  |
| 439 |  |  |  |  |
| 440 |  |  |  |  |
| 441 |  |  |  |  |
| 442 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 443 |  |  |  |  |
| 444 |  |  |  |  |
| 445 |  |  |  |  |
| 446 |  |  |  |  |
| 447 |  |  |  |  |
| 448 |  |  |  |  |
| 449 |  |  |  |  |
| 450 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 451 |  |  |  |  |
| 452 |  |  |  |  |
| 453 |  |  |  |  |
| 454 |  |  |  |  |
| 455 |  |  |  |  |
| 456 |  |  |  |  |
| 457 |  |  |  |  |
| 458 |  |  |  |  |
| 459 |  |  |  |  |
| 460 |  |  |  |  |
| 461 |  |  |  |  |
| 462 |  |  |  |  |
| 463 |  |  |  |  |
| 464 |  |  |  |  |
| 465 |  |  |  |  |
| 466 |  |  |  |  |
| 467 |  |  |  |  |
| 468 |  |  |  |  |
| 469 |  |  |  |  |
| 470 |  |  |  |  |
| 471 |  |  |  |  |
| 472 |  |  |  |  |
| 473 |  |  |  |  |
| 474 |  |  |  |  |
| 475 |  |  |  |  |
| 476 |  |  |  |  |
| 477 |  |  |  |  |
| 478 |  |  |  |  |
| 479 |  |  |  |  |
| 480 |  |  |  |  |
| 481 |  |  |  |  |
| 482 |  |  |  |  |
| 483 |  |  |  |  |
| 484 |  |  |  |  |
| 485 |  |  |  |  |
| 486 |  |  |  |  |
| 487 |  |  |  |  |
| 488 |  |  |  |  |
| 489 |  |  |  |  |
| 490 |  |  |  |  |
| 491 |  |  |  |  |
| 492 |  |  |  |  |
| 493 |  |  |  |  |
| 494 |  |  |  |  |
| 495 |  |  |  |  |
| 496 |  |  |  |  |
| 497 |  |  |  |  |
| 498 |  |  |  |  |
| 499 |  |  |  |  |
| 500 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| 501 |  |  |  |  |
| 502 |  |  |  |  |
| 503 |  |  |  |  |
| 504 |  |  |  |  |
| 505 |  |  |  |  |
| 506 |  |  |  |  |
| 507 |  |  |  |  |
| 508 |  |  |  |  |
| 509 |  |  |  |  |
| 510 |  |  |  |  |
| 511 |  |  |  |  |
| 512 |  |  |  |  |
| 513 |  |  |  |  |
| 514 |  |  |  |  |
| 515 |  |  |  |  |
| 516 |  |  |  |  |
| 517 |  |  |  |  |
| 518 |  |  |  |  |
| 519 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

#### РЕКАПИТУЛАЦИЯ : архивни единици

/ цифром / / словом /